

## Medical Surgical Nursing-I

### Unit 01. Introduction (परिचय)

प्रश्न . मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग से आप क्या समझते हैं?

What do you understand with medical surgical nursing.

उत्तर- मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग, नर्सिंग की वह शाखा है जिसके अंतर्गत रोगी को बीमारी के आधार पर अथवा आवश्यकतानुसार नर्सिंग सेवा प्रदान की जाती है तथा रोगी को दवाइयों एवं शल्य चिकित्सा (surgery) दोनों ही प्रकार से उपचार (treatment) दिया जाता है।

मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग का क्षेत्र अत्यधिक व्यापक होता जा रहा है।

इसमें रोगी के स्वास्थ्य को पुनर्रस्थापना में दवाइयों एवं शल्य चिकित्सीय उपचार (surgical treatment) के साथ-साथ नर्सिंग देखभाल का भी अहम योगदान होता है।

मेडिसिन (Medicine) -

यह चिकित्सा विज्ञान की वह शाखा है जिसके अंतर्गत मरीज का उपचार दवाइयों (drugs), व्यायाम (exercise), आहार परिवर्तन (diet modification) तथा अन्य गैर-सर्जिकल विधियों (non-surgical methods) द्वारा किया जाता है।

सर्जरी (Surgery) -

यह चिकित्सा विज्ञान की वह शाखा है जिसके अन्तर्गत मरीज का उपचार विशेष उपकरणों की सहायता से शल्य-चिकित्सा संबंधी विधि (surgical method) द्वारा किया जाता है। सुश्रुत (Sushruta) को सर्जरी का जनक (Father of Surgery) कहा जाता है।

मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग के अंतर्गत medical एवं surgical विधि द्वारा मरीज का उपचार किया जाता है तथा नर्सिंग देखभाल भी प्रदान की जाती है, यही मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग कहलाती है।

Answer- Medical surgical nursing is that branch of nursing under which nursing services are provided to the patient on the basis of disease or as per requirement and the patient is given treatment both through medicines and surgery.

The field of medical surgical nursing is becoming increasingly broad.

In this, along with medicines and surgical treatment, nursing care also plays an important role in restoring the health of the patient.

Medicine -

This is the branch of medical science under which the patient is treated through medicines, exercise, diet modification and other non-surgical methods.

Surgery -

This is that branch of medical science under which the patient is treated by surgical method with the help of special equipment. Sushruta is called the Father of Surgery.

Under medical surgical nursing, the patient is treated by medical and surgical methods and nursing care is also provided, this is called medical surgical nursing.

प्रश्न . आधुनिक चिकित्सा के इतिहास का वर्णन कीजिए।

Describe the history of modern medicine.

उत्तर- चिकित्सा (medicine) का इतिहास मनुष्यों के जन्म के साथ ही प्रारम्भ हो गया था।

ये अलग बात है कि इस समय या युग की चिकित्सा एवं उपचार विधियाँ उस समय प्रचलित न थीं परन्तु उस समय मनुष्य ने बीमार होने पर जड़ी-बूटियों, जैविक माध्यमों, खनिज लवण व आहार आदि से उपचार करना सीखा।

Medicine शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के medicina शब्द से हुई है, जिसका अर्थ होता है आरोग्य करना।

चिकित्सा के अंतर्गत स्वास्थ्य देखभाल (health care) के वे सभी तौर-तरीके शामिल होते हैं जिनकी सहायता से कठिन से कठिन बीमारियों का उपचार किया जा जाता है एवं रोगों की रोकथाम करके स्वास्थ्य के स्तर को बढ़ाया जाता है।

आज से कई हजार वर्ष पूर्व हमारे देश में आयुर्विज्ञान चिकित्सा का उद्भव हुआ था, लेकिन पाश्चात्य जगत का ऐसा मानना है कि चिकित्सा जगत की शुरूआत चौथी शताब्दी में यूनान में हुई थी।

यूनानी चिकित्सा के जन्मदाता हिप्पोक्रेट्स (Hippocrates) थे। उनका कहना था कि किसी भी रोग की रोकथाम एवं उससे मुक्ति पाने में किसी भी देवी-देवताओं की कोई भूमिका नहीं होती है।

अतः उन्होंने तान्त्रिक विश्वासों एवं अंधविश्वासों पर आधारित चिकित्सा का अंत किया।

Answer: The history of medicine started with the birth of humans.

It is a different matter that the medical and treatment methods of this time or era were not prevalent at that time, but at that time, when humans fell ill, they learned to treat them with herbs, biological means, mineral salts and diet etc.

The word medicine originates from the Latin word medicina, which means healing.

Medicine includes all those methods of health care with the help of which the most difficult diseases are treated and the level of health is increased by preventing diseases.

Medical science originated in our country several thousand years ago, but the western world believes that the medical world started in Greece in the fourth century.

The father of Greek medicine was Hippocrates. He said that no gods or goddesses have any role in preventing any disease or getting relief from it.

Therefore, he ended treatment based on tantric beliefs and superstitions.

Q. रोग को परिभाषित कीजिए तथा इसके कारणों को विस्तार से समझाइए।

Define illness and describe the causes of illness in detail.

उत्तर- रोग (Illness or Disease) -

रोग शरीर की एक ऐसी अवस्था है जिसमें शरीर का एक अथवा अनेक भाग कार्य करने में असमर्थ हो जाते हैं।

(Illness is a condition in which any part or several parts of the body become unable to work in optimum condition.)

बीमारी के कारण (Causes of Illness) -

बीमारी के कारणों को निम्न प्रकार से वर्गीकृत किया गया है -

1. शारीरिक (Physical)
2. मानसिक (Mental)
3. सामाजिक (Social)
4. वातावरणीय (Environmental)
5. अन्य (Others)

## 1. शारीरिक (Physical)-

ये वे कारण होते हैं जो शारीरिक रोग उत्पन्न करते हैं जैसे-

### (a) आनुवांशिक कारक (Hereditary Factor) -

कई रोग आनुवांशिक कारक से पैदा होते हैं जैसे- डाउन सिन्ड्रोम, ट्राईसोमी-13, हीमोफिलिया, थैलेसेमिया आदि।

### (b) पोषण संबंधी कारक (Nutritional Factor)-

पोषणीय कमी से कई प्रकार के रोग पैदा होते हैं जैसे- प्रोटीन की कमी से क्वाशिओरकर रोग, कार्बोहाइड्रेट की कमी से मरासमस रोग, आयरन की कमी से रक्ताल्पता (anaemia) रोग, जल की कमी से डिहाइड्रेशन, कैल्शियम की कमी से ऑस्टियोपोरोसिस (osteoporosis) रोग आदि।

### (c) विटामिन संबंधी कारक

विटामिन की कमी से होने वाले रोग जैसे- विटामिन A की कमी से रतौंधी, विटामिन C की कमी से स्कर्वी, विटामिन B<sub>1</sub> की कमी से बेरी-बेरी, विटामिन B<sub>12</sub> की कमी से होंठ फटना व मुख प्रदाह, विटामिन D की कमी से रिकेट्स (rickets), विटामिन E की कमी से जनन क्षमता में कमी, विटामिन K की कमी से रक्त का थक्का न बनना, विटामिन H की कमी से रक्त निर्माण कम होना आदि।

### (d) संक्रामक रोग (Infectious Diseases) -

जीवाणु (bacteria) संक्रमण से होने वाले रोग हैं- हैजा (cholera), काली खाँसी (whooping cough), कुष्ठ रोग (leprosy), क्षय रोग (tuberculosis), निमोनिया (pneumonia), टायफाइड (typhoid) आदि।

### (e) वायरस संक्रमण रोग (Virus Infectious Diseases)

• वायरस संक्रमण से होने वाले रोग जैसे- एच.आई.वी. वायरस द्वारा AIDS, ईबोला वायरस द्वारा Ebola, हिपेटाइटिस वाइरस द्वारा हिपेटाइटिस रोग, रोट्टा वाइरस द्वारा पोलियो व दस्त, वेरीयोला वाइरस द्वारा छोटी माता (small pox), पेरीसेला वाइरस द्वारा चेचक (chicken pox), मिक्स वाइरस द्वारा mumps आदि शामिल हैं।

(f) उपापचय विकार (Metabolic Disorder)

उपापचय विकार से कई प्रकार के रोग उत्पन्न होते हैं जैसे- हार्मोन्स की कमी या अधिकता से हाइपो और हाइपेडर थायरॉइड, डायबिटीज मलाइटस (diabetes mellitus), डायबिटीज इन्सीपिडस (diabetes insipidus), एडीसन्स रोग (addison's disease) आदि।

(g) दवाईयाँ (Drug)

दवा उद्दीपन (drugs sensitivity), दवाईयों के प्रतिविकर्ष (side effect of drugs) व अत्यधिक दवा (drug overdose) का सेवन भी रोगों को जन्म देता है।

(h) शराब (Alcohol)

शराब का अत्यधिक सेवन लीवर सिरोसिस (liver cirrhosis), कोरसाकॉफ मनोरोग (korsakoff's psychosis) जैसी बीमारियाँ उत्पन्न करता है।

(i) धूम्रपान (Smoking) -

धूम्रपान कैंसर (cancer), सी.ओ.पी.डी. (COPD), अस्थमा (asthma), उच्च रक्तदाब (hypertension) आदि जैसी गंभीर बीमारियों को जन्म देता है।

2. मानसिक कारक (Mental Factors) -

मानसिक कारक व्यक्ति की मनोस्थिति पर हानिकारक प्रभाव डालते हैं एवं रोग उत्पन्न करते हैं जैसे - असामान्य विकास से शीजोफ्रेनिया (schizophrenia), असुरक्षा की भावना से आत्महत्या

(suicide), आराम की कमी व तनाव या चिंता से नींद न आना (insomnia) आदि।

### 3. सामाजिक कारक (Sociological Factor)

सामाजिक कारक सामाजिक परिवेश, प्रथाओं व रीति-रिवाज आदि से जुड़े होते हैं। अतः यह कई बार रोग उत्पत्ति का कारण भी बन जाते हैं जैसे- हिंसा, बालात्कार, युद्ध, गरीबी, तलाक, अशिक्षा, दहेज प्रथा, दंगा फसाद (riots) आदि।

### 4. वातावरणीय कारक (Environmental Factor)

यह कारक वातावरण से जुड़े रहते हैं एवं रोग उत्पन्न होने का कारण बन जाते हैं जैसे- जलना, अत्यधिक गर्मी या सर्दी होना, बिजली से चिपकना, अधिक प्रदूषण होना, विकिरण से त्वचीय रोग होना, महामारी फैलना आदि।

### 5. अन्य (Other)

अन्य कारकों में शामिल हैं- लकवा (paralysis), गर्भपात (abortion), कुपोषण (malnutrition), माइग्रेन (migraine), स्वच्छता की कमी, प्रदूषित वातावरण, बहु गर्भावस्था (multiple pregnancy), एक्टोपिक गर्भावस्था (ectopic pregnancy), अस्थमा (asthma) आदि।

### Illness or Disease -

Disease is a condition of the body in which one or several parts of the body become unable to function.

(Illness is a condition in which any part or several parts of the body become unable to work in optimum condition.)

### Causes of Illness -

The causes of the disease are classified as follows –

1. Physical
2. Mental
3. Social
4. Environmental
5. Others

#### 1. Physical-

These are the reasons which cause physical diseases like-

##### (a) Hereditary Factor -

Many diseases are caused by genetic factors like Down Syndrome, Trisomy -13, Haemophilia, Thalassemia etc.

##### (b) Nutritional Factor-

Many types of diseases arise due to nutritional deficiency like - Kwashiorkor disease due to protein deficiency, Marasmus disease due to carbohydrate deficiency, anemia disease due to iron deficiency, dehydration due to water deficiency, osteoporosis due to calcium deficiency. Disease etc.

##### (c) Vitamin related factors

Diseases caused by vitamin deficiency such as night blindness due to vitamin A deficiency, scurvy due to vitamin C deficiency, beriberi due to vitamin B deficiency, cracked lips and mouth sores due to vitamin B deficiency, rickets due to vitamin D deficiency. (rickets), reduced fertility due to Vitamin E deficiency, lack of blood clotting due to Vitamin K



deficiency, reduced blood formation due to Vitamin H deficiency, etc.

(d) Infectious Diseases -

Diseases caused by bacterial infection are cholera, whooping cough, leprosy, tuberculosis, pneumonia, typhoid etc.

(e) Virus Infectious Diseases

• Diseases caused by virus infection such as HIV. These include AIDS caused by viruses, Ebola caused by Ebola virus, hepatitis caused by hepatitis virus, polio and diarrhea caused by rota virus, small pox caused by variola virus, chicken pox caused by pericella virus, mumps caused by mixed virus etc.

(f) Metabolic Disorder

Many types of diseases arise due to metabolic disorders like hypo and hyperthyroidism due to deficiency or excess of hormones, diabetes mellitus, diabetes insipidus, Addison's disease etc.

(g) Medicines

Drug sensitivity, side effects of drugs and excessive drug consumption also give rise to diseases.

(h) Alcohol

Excessive consumption of alcohol causes diseases like liver cirrhosis, Korsakoff's psychosis.

### (i) Smoking -

Smoking causes cancer, COPD. Gives rise to serious diseases like COPD, asthma, high blood pressure etc.

### 2. Mental Factors -

Mental factors have a harmful effect on a person's mental state and cause diseases such as schizophrenia due to abnormal development, suicide due to insecurity, insomnia due to lack of rest and stress or anxiety, etc.

### 3. Sociological Factor

Social factors are related to social environment, practices and customs etc. Therefore, these sometimes become the cause of diseases like violence, rape, war, poverty, divorce, illiteracy, dowry system, riots etc.

### 4. Environmental Factor

These factors are related to the environment and become the cause of diseases like burning, excessive heat or cold, getting stuck to electricity, excessive pollution, skin diseases due to radiation, spread of epidemics etc.

### 5. Other

Other factors include paralysis, abortion, malnutrition, migraine, lack of sanitation, polluted environment, multiple pregnancies, ectopic pregnancy, asthma. ) Etcetera.